
ipca
A dose of life
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
कक्षा - 12
भारतीय इतिहास के कुछ विषय
अध्याय - 11
महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आन्दोलन
भाग - 1
प्रीतेश जोशी

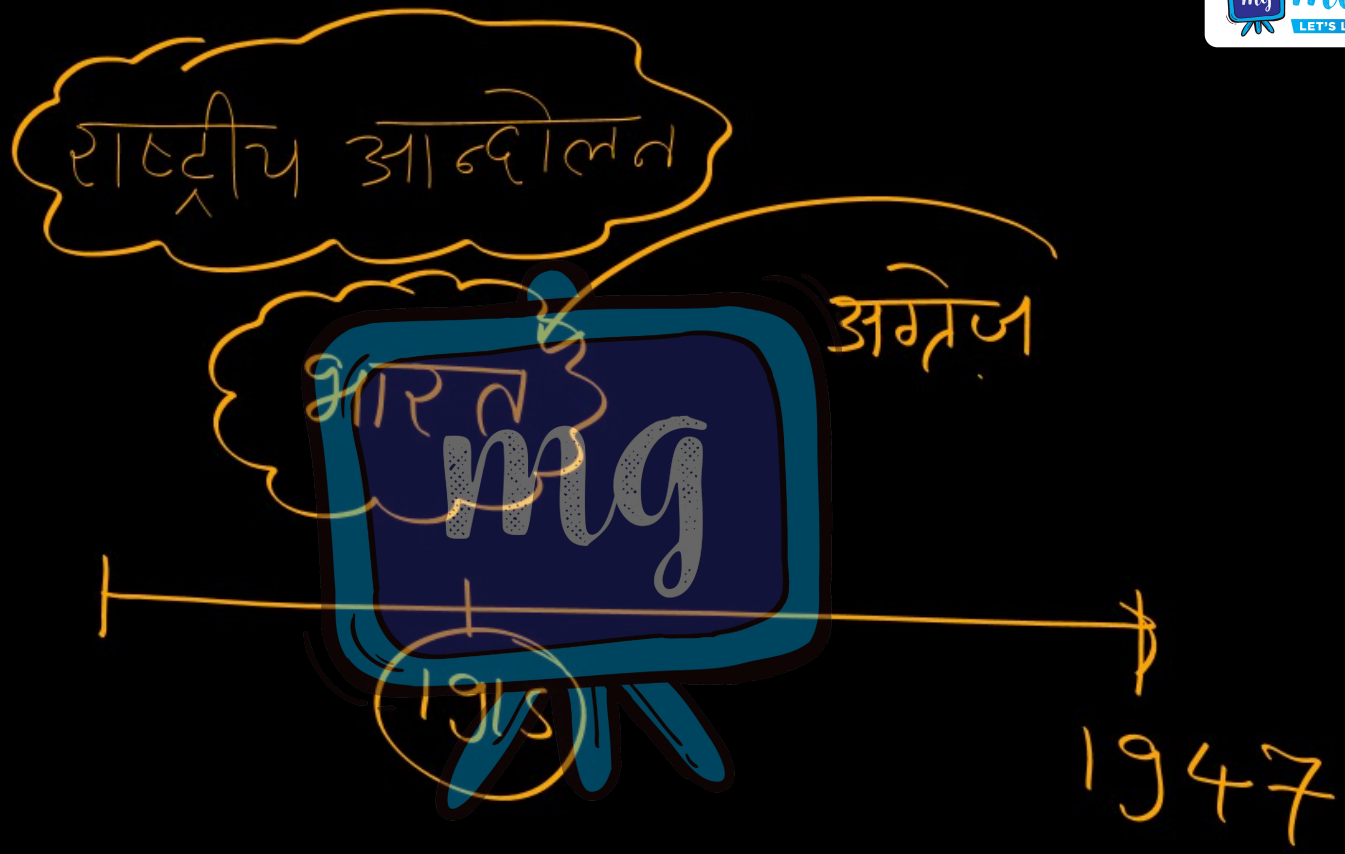
राष्ट्रीय आन्दोलन
भारत
अंग्रेज़
1915
1947

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी



नाम	→	मोहन दास गाँधी
जन्म	→	2 अक्टूबर, 1869
		(विश्व अहिंसा दिवस)
पिता	→	करमचंद गाँधी
माता	→	पुतली बाई
पत्नी	→	कस्तूरबा गाँधी

लन्दन → वकालत

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1915 - 1948

आगमन

- इस अध्याय में हम 1915-1948 के दौरान भारत में गाँधी जी की गतिविधियों का विश्लेषण करेंगे।
  - असहयोग आंदोलन → 1920-22
  - नमक सत्याग्रह/सविनय अवज्ञा आंदोलन
  - भारत छोड़ो आंदोलन 1942



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्वयं की उद्घोषणा करता एक नेता

- मोहनदास करमचंद गाँधी विदेश में (अफ्रीका) दो दशक रहने के बाद जनवरी, 1915 में अपनी गृहभूमि वापस आए।
- चन्द्रन देवनेसन – "अफ्रीका ने ही गाँधी जी को महात्मा बनाया"।

mg

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

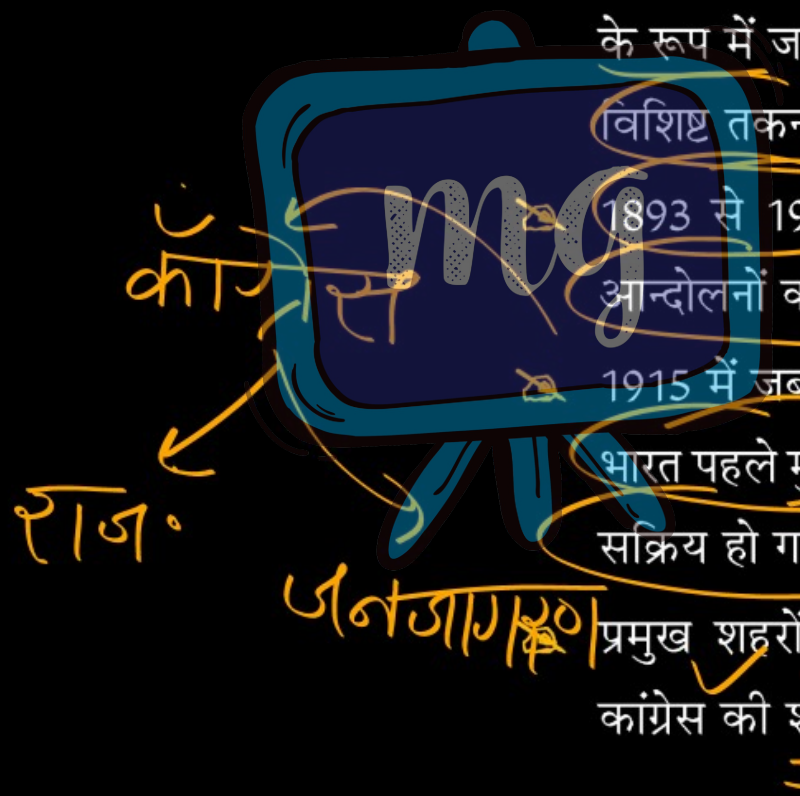

- महात्मा गाँधी ने अफ्रीका में ही पहली बार सत्याग्रह के रूप में जानी गई अहिंसात्मक विरोध की अपनी विशिष्ट तकनीक का इस्तेमाल किया।
- 1893 से 1915 तक अफ्रीका में भेदभाव विरोधी आन्दोलनों का नेतृत्व किया।
- 1915 में जब गाँधी जी भारत आए, उस समय तक भारत पहले मुकाबले राजनीतिक रूप से कहीं अधिक सक्रिय हो गया था।
- प्रमुख शहरों और कस्बों में अब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की शाखाएँ थी।

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- 1905-07 के स्वदेशी आन्दोलन के माध्यम से इसने व्यापक रूप से मध्य वर्गों के बीच अपनी अपील का विस्तार कर लिया था।

बाल गंगाधर तिलक	→	महाराष्ट्र
विपिन चंद्र पाल	→	बंगाल
लाला लाजपत राय	→	पंजाब

- ये स्वदेशी आन्दोलन के मुख्य नेता था –
- ये तीनों लाल, बाल, पाल के रूप में जाने जाते थे।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

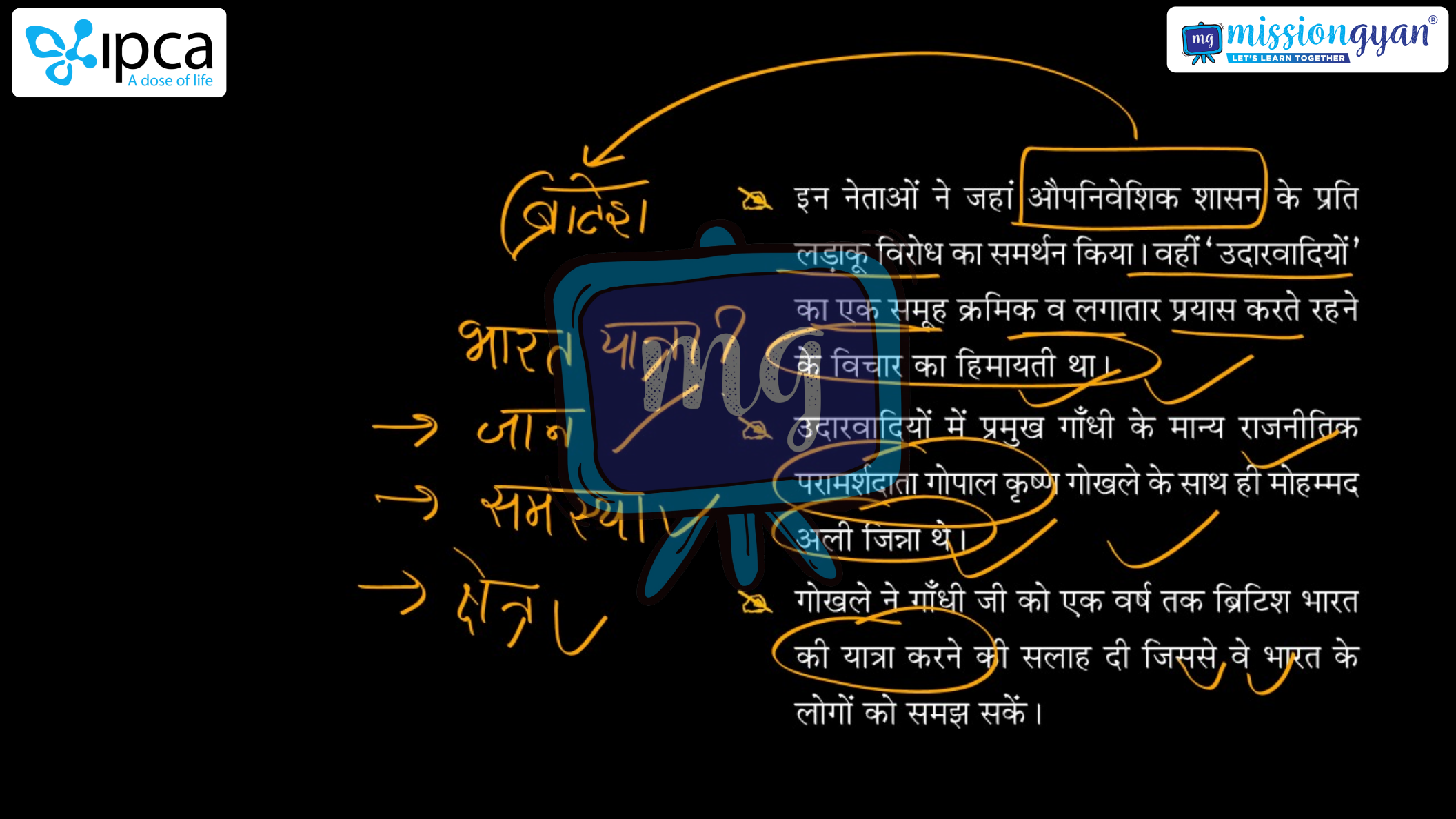

- इन नेताओं ने जहां औपनिवेशिक शासन के प्रति लड़ाकू विरोध का समर्थन किया। वहीं 'उदारवादियों' का एक समूह क्रमिक व लगातार प्रयास करते रहने के विचार का हिमायती था।
- उदारवादियों में प्रमुख गाँधी के मान्य राजनीतिक परामर्शदाता गोपाल कृष्ण गोखले के साथ ही मोहम्मद अली जिन्ना थे।
- गोखले ने गाँधी जी को एक वर्ष तक ब्रिटिश भारत की यात्रा करने की सलाह दी जिससे वे भारत के लोगों को समझ सकें।

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- गाँधी जी की पहली सार्वजनिक उपस्थिति फरवरी, 1916 में 'बनारस हिंदू विश्वविद्यालय' के उद्घाटन समारोह में हुई।
  भाषण – धनी व सजे-सँवरे भद्रजनों की उपस्थिति और 'लाखों गरीब' भारतीयों की अनुपस्थिति के बीच की विषमता पर अपनी चिंता प्रकट की।
- भारतीय राष्ट्रवाद वकीलों, डॉक्टरों और जमींदारों जैसे विशिष्ट वर्गों द्वारा निर्मित था।
- गाँधी जी भारतीय राष्ट्रवाद को सम्पूर्ण भारतीय लोगों को और अधिक अच्छे ढंग से प्रतिनिधित्व करने में सक्षम बनाने चाहते थे।

- 1917 का अधिकांश समय महात्मा गाँधी को किसानों के लिए काश्तकारी की सुरक्षा के साथ-साथ अपनी पसंद की फसल उपजाने की आजादी दिलाने में बीता।
- 1917 – चम्पारन किसान सत्याग्रह
- 1918 में गाँधी जी अपने गृह राज्य, गुजरात में दो अभियानों में संलग्न रहे।
- 1918 – अहमदाबाद मील मजदूर आंदोलन
- 1918 – खेडा किसान सत्याग्रह

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



परिचय → 1915 — 1916 → 1917 - 1918

1915 → भारत आगमन

1916 → बनारस

1917 - 1918 → चम्पारन, खेड़ा, गुजरात

1917 - 1918 → बिहार

किसान
मजदूर
क्षेत्र

- चम्पारन, अहमदाबाद और खेडा में की गयी पहल से गाँधी जी एक ऐसे राष्ट्रवादी के रूप में उभरे जिनमें गरीबों के लिए गहरी सहानुभूति थी।
- ये सभी स्थानीय संघर्ष थे।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. महात्मा गाँधी - जीवन परिचय

Q. गाँधी जी के भारत आने के बाद उन्होंने किस प्रकार अपनी राजनीतिक शुरुआत करी ?

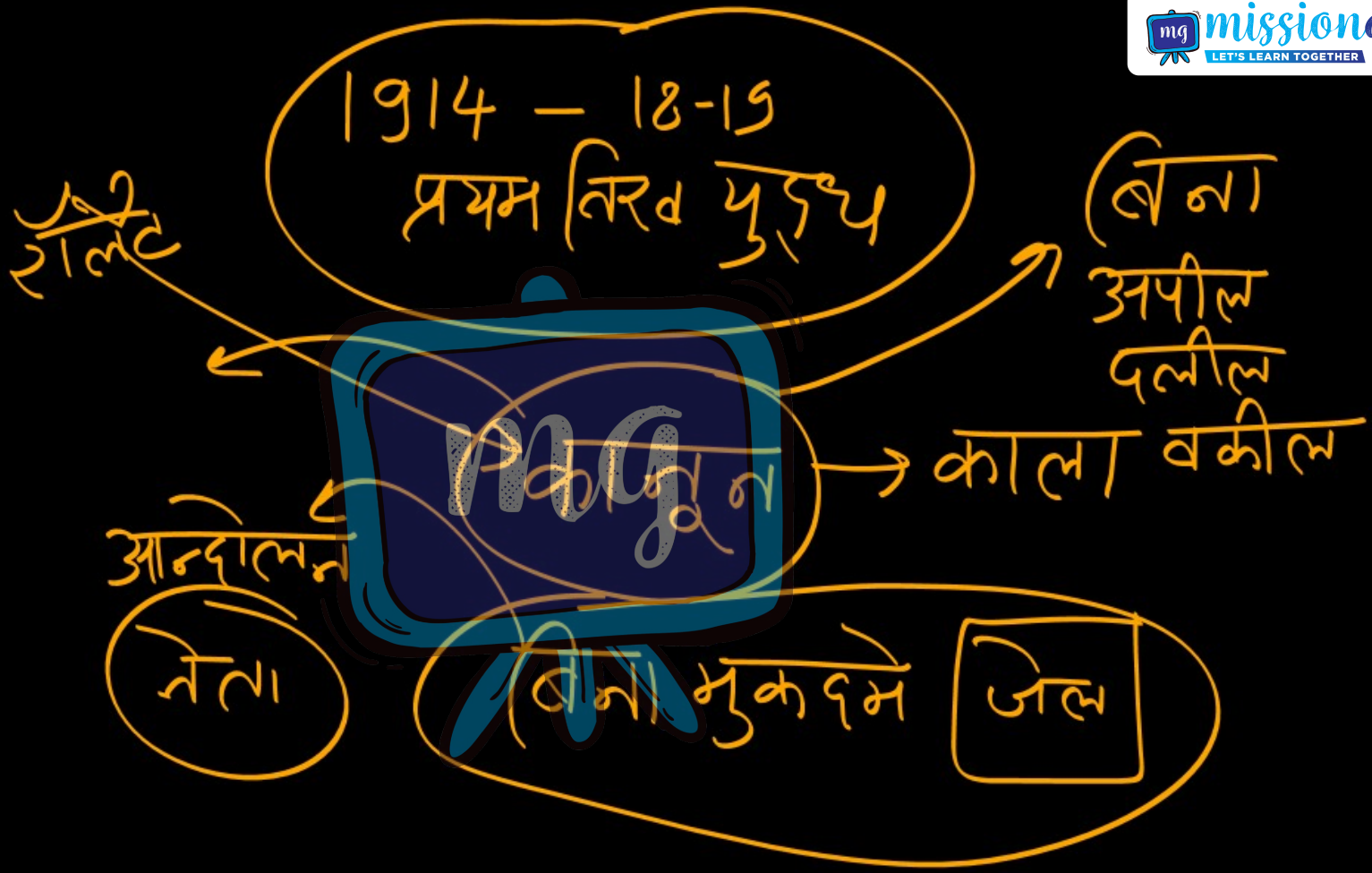
1914 – 18-19
प्रथम विश्व युद्ध
रौलेट
बिना अपील दलील काला वकील
आन्दोलन
नेता
बिना मुकदमे जेल

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

रॉलेट एक्ट आन्दोलन – 1919 ई.

काला कानून

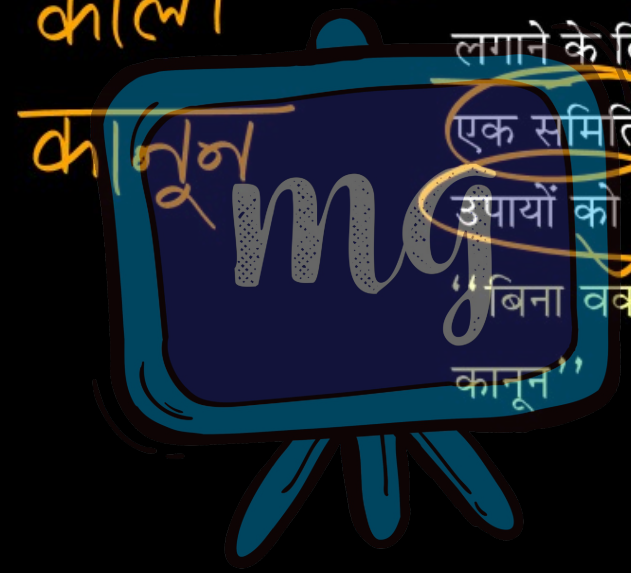

- भारतीय प्रेस और अन्य आतंकी घटनाओं पर प्रतिबंध लगाने के लिए सर सिडनी रॉलेट की अध्यक्षता वाली एक समिति की संस्तुतियों के आधार पर इन कठोर उपायों को लागू किया गया।
- "बिना वकील, बिना अपील और बिना दलील का कानून"